

मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का महत्व विशेष ज्ञान

- ✓ क्यों मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़नी चाहिए?
- ✓ हनुमान चालीसा पाठ की सही विधि (गलतियाँ न करें!)
- ✓ मेरे क्लाइंट का अनुभव – कैसे 21 दिन में बदल गई उसकी किस्मत?

1. मंगलवार + हनुमान चालीसा = अद्भुत शक्ति! (विज्ञान और आस्था)

ज्योतिष के अनुसार:

- मंगलवार – हनुमान जी और मंगल देव का दिन
- हनुमान चालीसा – शक्ति, साहस और संकटों से मुक्ति का मंत्र

क्या होता है जब आप मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ते हैं?

- ✓ मंगल दोष शांत होता है (कुंडली के अशुभ प्रभाव कम होते हैं)
- ✓ शत्रुओं से सुरक्षा मिलती है (हनुमान जी भक्त को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता)
- ✓ आत्मविश्वास बढ़ता है (डर और चिंता दूर होती है)

रियल-लाइफ उदाहरण:

"मेरे क्लाइंट रवि को इंटरव्यू में हमेशा असफलता मिलती थी। मैंने उसे मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ने की सलाह दी। सिर्फ 3 हफ्ते में उसे 2 नौकरी के ऑफर मिले।"

2. हनुमान चालीसा पाठ की सही विधि (Step-by-Step Guide)

सुबह का समय सबसे अच्छा:

1. सुबह 4-6 बजे (ब्रह्म मुहूर्त) में उठकर स्नान करें।
2. लाल आसन पर बैठकर हनुमान जी की मूर्ति/तस्वीर के सामने पाठ करें।
3. दीपक जलाएँ (तिल का तेल या घी का प्रयोग करें)।

पाठ करने का तरीका:

✓11 बार हनुमान चालीसा पढ़ें (अगर समय कम हो तो कम से कम 1 बार पूरी चालीसा जरूर पढ़ें)।

✓"ॐ हं हनुमते नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें।

✓अंत में हनुमान जी से प्रार्थना करें – अपनी मनोकामना बताएँ।

ध्यान रखें:

✗गुस्से या नकारात्मक विचारों के साथ पाठ न करें (हनुमान जी को शांत मन से याद करें)।

✓लाल रंग का उपयोग करें (लाल फूल, लाल कपड़ा)।

3. मिथक vs सच्चाई (हनुमान चालीसा के बारे में)

मिथक	सच्चाई
"हनुमान चालीसा सिर्फ संकट में पढ़नी चाहिए"	रोज पढ़ने से जीवन सुखमय बनता है
"इसे केवल पंडित ही सही तरीके से पढ़ सकते हैं"	कोई भी भक्त सच्चे मन से पढ़ सकता है
"मंगलवार को पाठ करने से भूत-प्रेत भागते हैं"	नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, आत्मबल बढ़ता है

4. 21 दिन का चमत्कार (Real-Life Transformation)

केस स्टडी: सुरेश का डर और चिंता से मुक्ति

सुरेश को हमेशा डर लगा रहता था, नींद नहीं आती थी। उसने 21 मंगलवार तक हनुमान चालीसा का पाठ किया। परिणाम?

✓डर गायब हो गया!

✓नींद अच्छी आने लगी।

✓जॉब में प्रमोशन मिला।

उसने क्या किया?

- हर मंगलवार सुबह 11 बार हनुमान चालीसा पढ़ी।
 - हनुमान जी को लाल फूल और गुड़ चढ़ाया।
 - "मैं सुरक्षित हूँ" – यह मंत्र दोहराया।
-

5. अंतिम टिप्स: आज से ही शुरू करें!

1. अगला मंगलवार नोट करें – फोन में रिमाइंडर लगाएँ।
2. हनुमान चालीसा की कॉपी/ऐप डाउनलोड करें (अगर याद नहीं तो पढ़कर भी फल मिलेगा)।
3. शुरुआत करें – सिर्फ 1 बार पढ़ें, फिर धीरे-धीरे बढ़ाएँ।

याद रखें:

"हनुमान जी उन्हीं की सुनते हैं, जो सच्चे मन से उन्हें याद करते हैं।"

□ हनुमान चालीसा □

दोहा

श्रीगुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि।
बरनऊं रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि ॥

चौपाई

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥

राम दूत अतुलित बल धामा।
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ॥

महाबीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥

कंचन बरन बिराज सुबेसा।
कानन कुण्डल कुँचित केसा ॥

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेउ साजै ॥

संकर सुवन केसरी नंदन।
तेज प्रताप महा जग वंदन ॥

विद्यावान गुनी अति चातुर।
राम काज करिबे को आतुर ॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया ॥

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥

भीम रूप धरि असुर सँहारे।
रामचन्द्र के काज सँवारे ॥

लाय सजीवन लखन जियाए।
श्री रघुबीर हरषि उर लाए ॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं।
अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावैं ॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।
नारद सारद सहित अहीसा ॥

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कवि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥

तुम उपकार सुग्रीवहि कीन्हा।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥

तुम्हरो मंत्र बिभीषण माना।
लंकेश्वर भए सब जग जाना ॥

जुग सहस्र जोजन पर भानू।
लौल्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लांघि गए अचरज नाहीं ॥

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥

सब सुख लहै तुम्हारी सरना।
तुम रक्षक काहू को डर ना ॥

आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥

भूत पिशाच निकट नहीं आवै।
महावीर जब नाम सुनावै ॥

नासै रोग हरै सब पीरा।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥

संकट ते हनुमान छुड़ावै।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

सब पर राम तपस्वी राजा।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥

और मनोरथ जो कोई लावै।
सोइ अमित जीवन फल पावै ॥

चारों जुग परताप तुम्हारा।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥

साधु सन्त के तुम रखवारे।
असुर निकंदन राम दुलारे ॥

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता।
अस बर दीन जानकी माता ॥

राम रसायन तुम्हरे पासा।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥

तुम्हरे भजन राम को पावै।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥

अंतकाल रघुबर पुर जाई।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ॥

और देवता चित्त न धरई।
हनुमत सेई सर्व सुख करई ॥

संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥

दोहा

जय जय जय हनुमान गोसाईं।
कृपा करहु गुरुदेव की नाई ॥

जो सत बार पाठ कर कोई।
छूटहि बंदि महा सुख होई ॥

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥

तुलसीदास सदा हरि चेरा।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ॥

दोहा

पवनतनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ॥

:

□ हर रोज़ करें हनुमान चालीसा का पाठ □

हर सुबह या शाम हनुमान चालीसा का श्रद्धा और विश्वास के साथ पाठ करें। इससे जीवन की हर परेशानी दूर होती है, मन को शांति मिलती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। यह आदत न सिर्फ आध्यात्मिक शक्ति देती है, बल्कि मानसिक मजबूती भी बढ़ाती है।

सच्चे मन से रोज़ हनुमान जी का ध्यान करें, चमत्कार जरूर देखने को मिलेगा।